



Act 1399 Re

8510 = 00
2020 = 00
2020 = 00

23

[Handwritten signature]
10/11/2007

Rs paid
A(1) 2020 = 00
N(1) 45 = 00
2065 = 00

₹ 12550 = 00
R

नाम लेखनकारी पिता
का नाम वी निवास
स्वान्न इत्यादि।
(क्रेता)

15/11/2007

श्री विदेही शंकर पिता स्वर्णि
जोगी शंकर जाति नैली पेशा चास
साकिन कुम सकेल बुधियाजारी वाना
कुमका सुफळ सबडी वी जिला कुमका,
भारतीय नागरिक।

गवाह
कनी चक्र मण्डल
कुम
18/11/2007

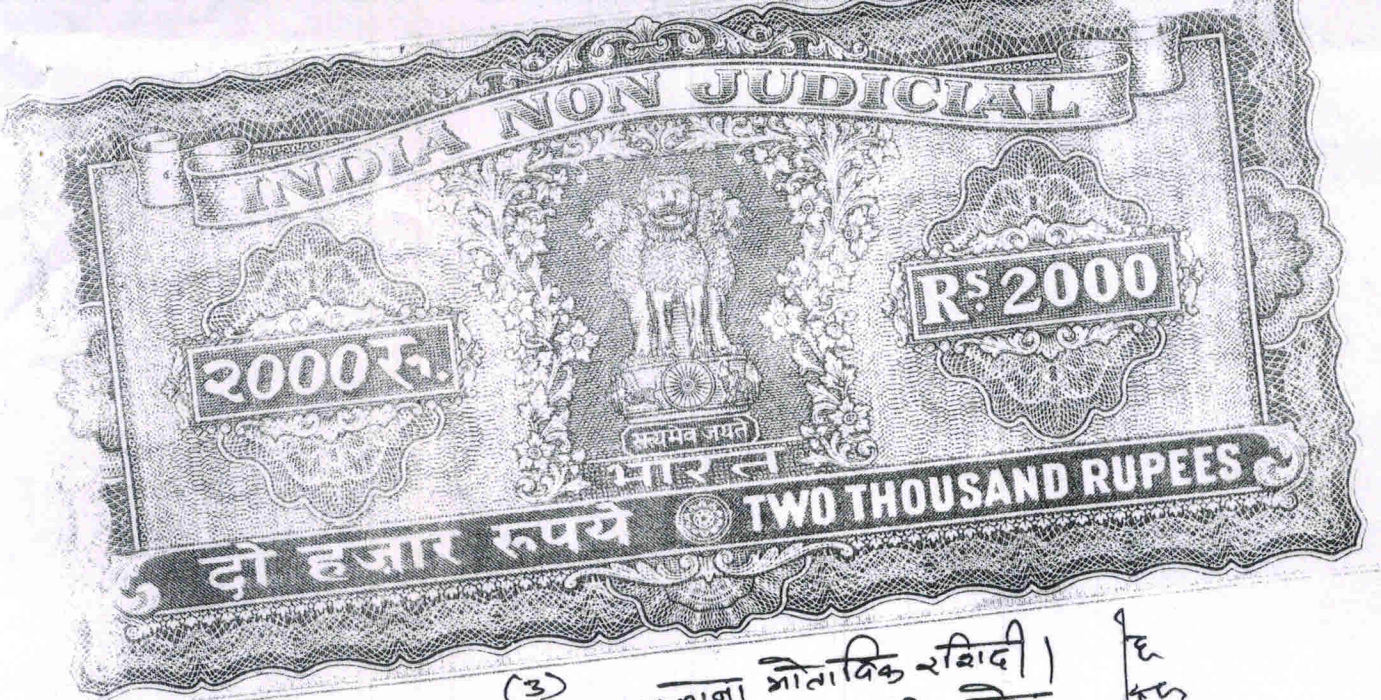
नाम लेखनकारिणी
पति का नाम वी
निवास - स्वान्न
इत्यादि।
(क्रेत्री)

श्रीमती खीता देवी पति श्री नरेश
कुमार सुधन जाति सुडी पेशा व्यापिता
साकिन बाबुपादा, कुमका वाना कुमका
टाउन सबडीविजम वी जिला कुमका,
भारतीय नागरिक।

लेखन प्रकार :- विक्रय - पत्र। sale-deed

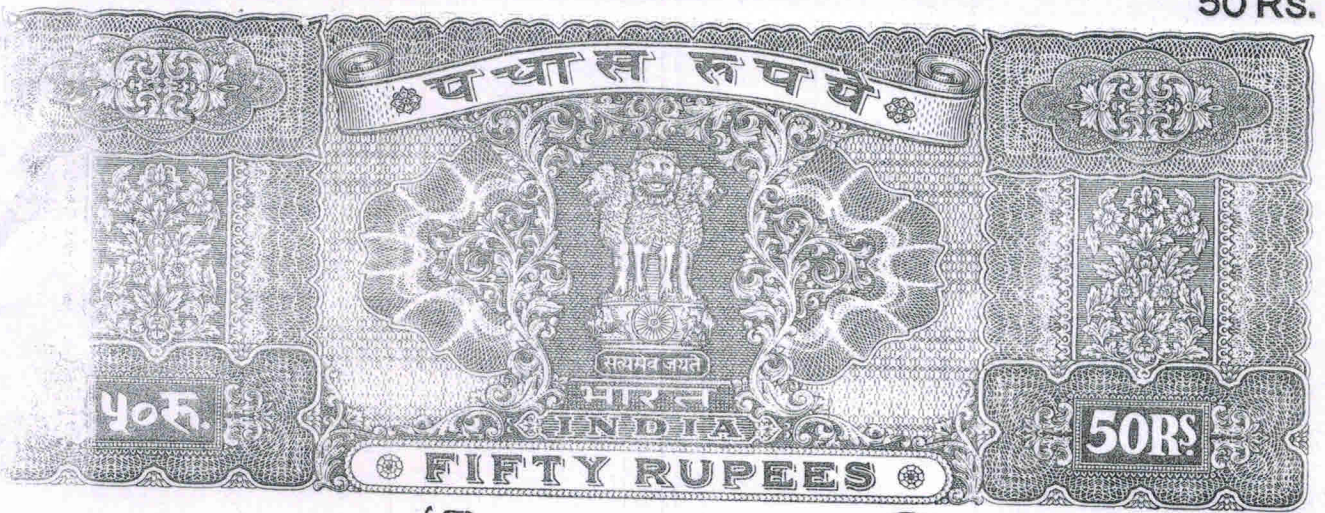
गवाह
श्रीमती खीता देवी
श्री राम पाई
कुमका
18/11/2007

खीता देवी



(3) खजाना भौतिक शिद्दी।
 वस धुइ मात्र। खलीना खजाना भौतिक शिद्दी।
 लेखकार ने अपन खजाना भौतिक शिद्दी को
 साब वजरि विक्रम-पत्र संख्या 4029 जिल्द संख्या
 1 पृष्ठ संख्या 556 से 560 पुस्तक संख्या 1 से
 1970 ई. जिल्द संख्या 2 जिल्द संख्या 3 के द्वारा प्राप्त का तथा उपचल कार्यालय
 में हुई है के द्वारा प्राप्त का तथा उपचल कार्यालय
 पुस्तक में अपना नाम सम्मिलित रूप से दर्ज करा
 में मिलित में साल व साल खजाना वसूल देना
 वसूली का शिद्द सम्मिलित रूप से प्राप्त करते
 हुए हैं। बाद में आपसी बहवारा का लेख-
 कारी ने उपरोक्त सम्पत्ति को अपने पुंश में प्राप्त
 कर बिना किसी विधे बाधा के जोडा-दस्तावेज
 कर रहे हैं। उपरोक्त सम्पत्ति वसूली है तथा इसे
 विक्रम करने का लेखकार को संभुण अधिकार
 प्राप्त है।
 वर्तमान में लेखकार को अपनी पुत्री
 के विवाह के लिए अपने का सख्त इस्कार है,
 वा- बिना विक्रम किये उपरोक्त वसूली सम्पत्ति
 के अपने का मिलना कठिन है इसलिए
 लेखकार ने उपरोक्त सम्पत्ति को विक्रम करने
 का सोचत किया जिसे आप करी शौदधाने
 देना वा शौ 1,01,000/- एक लाख, एक हजार

खजाना



(5)
 कृपा - भाइ पात्रा जाल जिससे क्रेती को उपरोक्त
 संभन्धि या इसके किसी अंग या वेदखत
 होना पड़े, ऐसी हालत में विक्रेता मग्न वारिसान
 कोने वापस कुल जरसमण, केवाला मग्न खरचा,
 हरजाना वो खुद बखिख बाजार के हैं, हाजे वो
 रहेगे। आजतक उपरोक्त संभन्धि या विक्रेता को
 जो कुछ खतव वो अधिकार जाल या उपनवा
 जो कुछ भविष्य में प्राप्त होता वो कुल अज
 की वारीख से क्रेती प्रीमनी खरीता देवी को प्राप्त
 हो जमा।

५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०

अब चाहिए कि क्रेती गहकिया उपरोक्त
 संभन्धि का सरकारी सिरिले में प्रचलित नाम
 च्चवाका खुद का नाम दर्ज करा लेवे वो
 साल व साल सिरिले में खजाना देका वसूली
 का रशिद पारग खनि अपने नाम से बखिल
 किता करे वो वारिसानु क्रेती उपरोक्त संभन्धि
 का जोग-दखल, दान-बिख वो हरजाना
 अपनी इच्छानुसार जो चाहे करे इसमें विक्रेता
 मग्न वारिसान को किसी किस्म की उजुर-आपन्धि
 नहीं होगी, अगरे कोई आपन्धि करे या करे
 तो वो कुल आपन्धि न्यायालय में उपमान
 वो वातिल होगा।

यह सब शर्तों का हक भंड
 विक्रय - पत्र बहक प्रीमनी खरीता देवी प्रतिष्ठी
 नरेश कुमार सुमन के तहरीर वो नामिल

जाकीता १ इजा

(6)
॥ जो अमल पर काम आवे इति
तारीख :- 18.1.2001 ई०

इस दस्तावेज की प्रथम प्रति एवं
द्वितीयक प्रति एक-दूसरे की
दुबल सच्ची प्रतिविधि है।

भारतीय दस्तावेज :- सुमन देवी नाथ सिंह
साकिन दुजका टाउन मजबुन दस्तावेज
पहल लेखककारी को सुना वा
समझा दिया, सुन वा समझ
का लेखककारी ने हमार
समझ उपपना दस्तावेज किया।

विदुस मंगल

सुमन देवी

18.1.2001

सुमन देवी



Fee Paid Stamp 325/-

AB 800-00
M(9) 45-00
845-00

Rishwanath Singh
13.8.07

SALE - DEED

नाम लेख्यकारी
पिता का नाम वो
निवास स्थान आदि।
(बिक्रेता)

श्री विश्वनाथ दे पिता स्व० शम्भुनाथ दे, जाति- तामोली, पेशा-
चास आदि, साकिन- रसिकपुर तालुकघाट रसिकपुर, थाना- दुमका
टाउन, सवडिवीजन वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका जिला - दुमका,
झारखण्ड, भारतीय नागरिक।

नाम लेख्यधारिणी
पति का नाम
वो निवास स्थान
आदि।
(क्रेत्री)

श्रीमती बबीता देवी, पति श्री नरेश कुमार 'सुमन' जाति- सुड़ी,
पेशा- गृहिणी, साकिन- बाबूपाड़ा दुमका, थाना- दुमका टाउन,
सवडिवीजन वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका जिला - दुमका, झारखण्ड,
भारतीय नागरिक।

बबीता देवी

गार

गार

Baran Kumar Dey
Rasikpur
13.8.07

Sandeep Kumar Dey
Rasikpur
13.8.07



(2)

लेख्य प्रकार : - बिक्रय-पत्र (Sale - Deed)

सम्पत्ति का मूल्य :- मो० 80,000/- (अस्सी हजार) रुपये मात्र ।

सम्पत्ति का तफसील हक बसौड़ी परती सहन जमीन मय कुल हक वो अधिकार पूर्ण विवरण, जिसे इत्यादि वॉके मौजा दुमका टाउन नं० - 7, तालुक घाट दुमका तप्पा विक्रय करते हैं । बेलपत्त, थाना दुमका टाउन, सबडिविजन वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका, जिला दुमका का तौजी नं० 6 बसौड़ी का जमाबन्दी नम्बर 11 दुमका नगरपालिका वार्ड नं० 5 हो० नं० नहीं है चुंके जमीन परती है । जिसका दो फरद ट्रेष नक्शा दस्तावेज में संलग्न है जिसमें बिक्रीत सम्पत्ति को लाल रंग से दिखाया गया है जिसका दाग नं०, चौहद्दी, निम्न प्रकार है :-

दाग नम्बर	चौहद्दी	किस्म बी.क.धु.
536 (पाँच सौ छत्तीस का अंश)	उत्तर - रोड । दक्षिण - शैलेन्द्र नाथ सेन । पुरब - लेख्यधारी का निज जमीन । पश्चिम - उज्जवल कुमार दे वो आशीष कुमार दे का जमीन	इसी चौहद्दी के अन्दर बसौड़ी स्वत्व की परती जमीन मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि रकवा - मवाजी - 0-0-13 धूर एकड़ - डीसमिल 00 - 1.08

तेरह धूर मात्र । सालाना खजाना मोताबिक रसीदी ।

बिक्रीत करती

70.8.07
13/8/07

3/1/07

13/8/07



(3)

विदित हो कि उपरोक्त सम्पत्ति लेख्यकारी का पैतृक सम्पत्ति है। जिसे लेख्यकारी ने अपने सहोदर भाई से हिस्सा में पाया है। तथा लेख्यकारी के दखल-कब्जा में निर्विवाद रूप से है, उक्त जमीन बसौड़ी है तथा इसे बिक्रय करने का लेख्यकारी को पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

वर्तमान में लेख्यकारी को सांसारिक खर्च आदि के लिए रुपये का सख्त दरकार है वो बिना बिक्रय किए उपरोक्त बसौड़ी सम्पत्ति के रुपये का मिलना कठिन है, इसलिए लेख्यकारी ने उपरोक्त खाना नम्बर 5 में वर्णित जमीन रकवा - 13 धूर जमीन को बिक्रय करने का शौहरत किया, जिसे आप क्रेत्री ने देखा वो मो 80,000/- रुपये में क्रय करने की इच्छा बिक्रीदार पर प्रगट किया। यह कीमत वाजिब कीमत है और इस समय के बाजार दर का सर्वोच्च मूल्य समझा गया है तथा उपायुक्त महोदय दुमका के द्वारा निर्धारित मूल्यांकन के आधार पर भी वाजिब वो सही है, अतः लेख्यकारी बिक्रेता ने उक्त सम्पत्ति को उक्त मूल्य में आप लेख्यधारिणी क्रेता को बिक्रय करने की अपनी रजामंदी जाहिर की। इस प्रकार इस सम्पत्ति का मूल्य 80,000/- रुपये तय हुआ इसलिए लेख्यकारी बिक्रेता आज अपनी खुशी राजी, अपने मन-मस्तिष्क एवं शरीर के इंद्रियों की स्वस्थ दशाओं में बिना कोई दबाव वो बहकाव प्रसन्नचित एवं स्वच्छन्द वातावरण में क्रेता लेख्यधारिणी से उपरोक्त सम्पत्ति का सम्पूर्ण तय मूल्य मो 80,000/- (अस्सी हजार) रुपये नगद एकमुस्त लेकर वो प्राप्त कर खाना नम्बर पाँच की वर्णित सम्पत्ति को क्रेता के हाथ बेचा वो बैला कलामी किया तथा बिक्रीत सम्पत्ति का सम्पूर्ण मूल्य प्राप्त किया कुछ भी बांकि नहीं रहा। भविष्य में मूल्य न प्राप्त करने का दावा अमान्य वो वातिल होगा। यह कि लेख्यकारी बिक्रेता द्वारा मूल्य का सम्पूर्ण रुपया आप क्रेता से प्राप्त कर उक्त

Rajendra Prasad
13.08.07

21/11/11
Dnyanesh Prasad
Rajendra Prasad
13.08.07

लक्ष्मी देवी



(4)

सम्पत्ति को आप क्रेता के पक्ष में बिक्रय कर दिया तथा लेख्यकारी बिक्रेता ने उक्त सम्पत्ति का स्वामित्व अधिकार वो कब्जा वजिनसहुँ (Exactly) आज की तारीख से अपने तुल्य अधिकार करा दिया, यानि दखल दे दिया। इस सम्पत्ति पर लेख्यकारी बिक्रेता को जो स्वामित्व अधिकार प्राप्त है वो जो भविष्य में प्राप्त होता वो सभी स्वामित्व एवं अधिकार वजिनसहुँ आप क्रेता को आज की तिथि से प्राप्त हो गया।

यह सम्पत्ति हरेक वारदेन से पाक-साफ है यानि हर तरह के ऋण-भार से मुक्त है। फिर भी निकट भविष्य में उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी तरह का हाल या प्राचीन ऋण-भार पाया जाय अथवा किसी किस्म का झंझट बखैड़ा पैदा हो जिससे क्रेत्री को उपरोक्त सम्पत्ति से या इसके किसी अंश से बेदखल होना पड़े ऐसी हालत में बिक्रेता मय वारिसान हर्जाना आदि भुगतान करने के लिये बाध्य रहेंगे।

अब चाहिए कि क्रेत्री उपरोक्त सम्पत्ति को लेकर सरकारी सिरीस्ते में प्रचलित नाम कटवा कर खुद का नाम दर्ज करा लें वो साल-ब-साल सिरीस्ते में खजाना वसूल देकर वसूली का रसीद अपने नाम से प्राप्त किया करें वो वारिसानुक्रमेण उपरोक्त सम्पत्ति का भोग-दखल, दान-बिक्रय वो हस्तांतर अपनी इच्छानुसार जो चाहे करें, इसमें बिक्रेता मय वारिसान को किसी तरह की उजुर-आपत्ति नहीं होगी, न कभी कर सकेंगे अगर कोई आपत्ति करे या करें तो वो कुल आपत्ति उचित न्यायालय में अमान्य वो वातिल होगी।

लेख्यकारी बिक्रेता अपनी राजी खुशी से प्रसन्नचित स्वस्थ मस्तिष्क की स्वस्थ दशा में रहकर आप क्रेता महोदया श्रीमति बबीता देवी पति श्री नरेश कुमार 'सुमन' से उक्त सम्पत्ति का मूल्य का सम्पूर्ण

5191C
 13/8/07
 13/8/07
 13/8/07

बबीता देवी

(5)

रुपया प्राप्त कर यह बिक्रय पत्र आप क्रेता के पक्ष में लिख दिया जो प्रमाण रहे तथा समय पर काम आवे। इति आज तारीख :- 10.08.2007 ई0।

(कम्प्यूटर द्वारा टाईप किया)

13/8/07

मूल दस्तावेज द्वितीय दस्तावेज का हु-ब-हु एवं सच्ची प्रतिलिपि है।

यह सम्पत्ति मुख्य सड़क से 100 फीट से अधिक दूरी पर है तथा आवासीय है।

13.8.07

आवेक: उमादातर १५४
सा० दुमदा वरुण हलीत
ना मजपुता तैपा किया
दंजिनके मद्रु फलीत परुके
लेचकारीना सुना दिया
आरु लेच मटीने कपनेहे
पद ना लमम बुक का कपना
हलासा मेरे हाकके बिधा

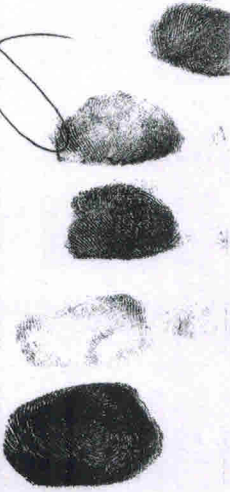


उमादातर १५४
13/8/07

बकीता देवी

पुनोरात किया जाना
है कि लुकेक व्यक्ति उमदा
दिया फिर फलिके में लका
है न नये हाक के कंगुलिके
ना निश्चानुमेरे मद्रा लिखा
गया है।

उमादातर १५४
13/8/07



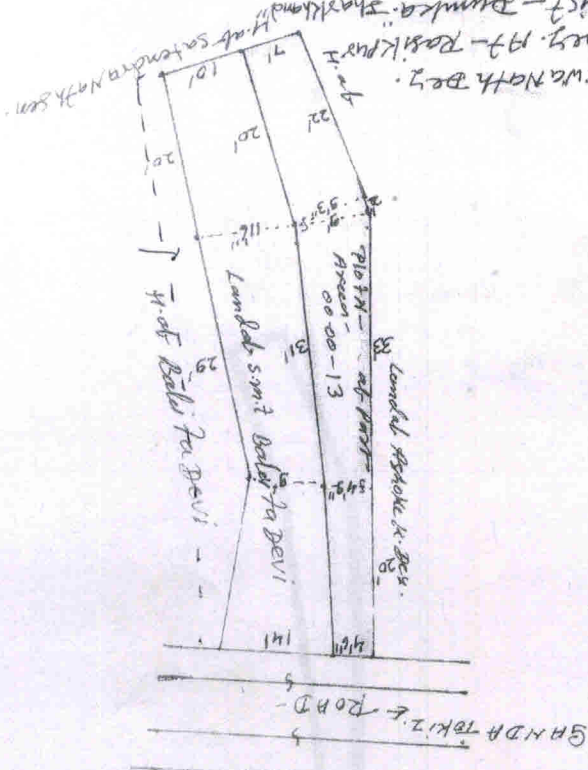
बकीता देवी

The original plans
 the first and second
 copy of the duplicate
 plan. Ramod Mondal
 Purnima
 Purnima

13.8.67
 Purnima Mondal

Plot N-536 at part Area 00-00-13
 Shown in the map read thus

only.
 Bondan - M-Road
 S - Hat - satendra Nath Sen.
 E - Landat Babita Devi
 W - Landat Ashoke K. Devi
 Land purchased by S.M.T. - Babita Devi. W/o - S.M. - Harish K.
 suman. H.T. - Babu Para Purnika. P.S. Purnika Town. Sub + Dist Purnika
 "Sharkhand"
 H.N. - Plot N-536 at part Area-00-00-13 (Kharan Khans) Land
 Land sold mouza - Purnika Town - N-7. Sub + Dist - Purnika. W. N-5.
 Land sold mouza - Purnika Town - N-7. Sub + Dist - Purnika. "Sharkhand"
 P.S. - Purnika Town. Sub + Dist - Purnika. "Sharkhand"
 S/O - Late - Skamolu Nath Devi. H.T. - Rasik Pur I
 Plot - Land sold by S.M. Biswanath Devi.
 Hat - satendra Nath Sen.



Mouza - DUMKA TOWN - N-7
 THANA - DUMKA TOWN
 SUB + DIST - DUMKA
 SCALE - 1" = 10'

13.8.67
 Purnima Mondal



25.04.03

Free part

AC 1700 = W
 NO 450 = W
 1745 = W

Arum Kumar Bay
 25.4.2003

25.04.03

7200 = W
 1700 = W
 1700 = W

नाम लेखकार पिता
 का नाम व निवास
 स्थान आदि।
 (विक्रेता)

श्री अरुण कुमार दे पिता 10600 = W
 स्वतः शांभु नाथ दे जाति
 तामोली पेशा चाखादि साकिन
 रसिकपुर तालुक छोट रसिकपुर
 थाना दुमका टाउन संवर्द्धित
 निबंधन कार्यालय दुमका जिला
 दुमका भारतीय नागरिक।

21018
 N.P. Arum.
 25/4/03

नाम लेखकारिणी, पति
 का नाम व निवास
 स्थान आदि।
 (क्रेती)

श्रीमती वनिता देवी पति श्री
 नरेश कुमार सुभन जाति सुंदरी
 पेशा रहिणी साकिन बावपाडा
 दुमका थाना दुमका टाउन संवर्द्धित
 व निबंधन कार्यालय दुमका जिला
 दुमका, भारतीय नागरिक।

21018
 25/4/03

वनिता देवी



(2) निम्न प्रकार :- विक्रय - पत्र। Sale-Deed.

विक्रीत सम्पत्ति का मूल्य :- ₹ 85,000/- (पच्चासी हजार) रुपये मात्र।

विक्रीत सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण।

लगासील एक बसोड़ी पराजी परती सहज जमीन मात्र कुल एक वा अधिकार इत्यादि उपर मोजा दुमका टाउन नम्बर - 7 तालुक हाट दुमका थाना दुमका टाउन सबडिवि वा जिला दुमका, बसोड़ी का जमाबंदी नम्बर - 11 (अभारह) नगरपालिका वाड नम्बर - 5 (मौजुदा) क्षेत्र नही है चुके जमीन परती है जिसका दो करद देश नक्शा शामिल दस्तावेज में संलग्न है, जिसमें विक्रीत सम्पत्ति का लाल रंग से दर्शाया गया है। दांग नम्बर, चौहद्दी निम्न प्रकार है।

दांग नम्बर

536

(पाँच सौ तीस) का अंश।

चौहद्दी

उत्तर :- रोड।
दक्षिण :- शैलेंद्र नाथ सेन।
पूरव :- केत्री का मिज।
पश्चिम :- उपरोक्त कुमारे देवनी दांग का अंश जमीन।

किरण बिक्रमचन्द्र

इसी चौहद्दी के उपर बसोड़ी स्वतः की परती सहज जमीन मात्र कुल एक

25.4.2023

जमीन देवी



(3)

के अधिकार इत्यादि।
रेकॉर्ड - अकाजी
00-01-00 ✓

रजि. नं. 2-22

रक कट्टा मात्र। सालाना रकजाना मौताविक
गसिदी।

विदित हो कि उपरोक्त सम्पत्ति लेख्यकारी
लेख्यकारी द्वारा स्वोपार्जित स्वरीक्षी सम्पत्ति है
जिसमें लेख्यकारी ने उपरोक्त सहीदर आई के लिये
सम्मिलित रूप से अकाजी विक्रम-पत्र संख्या-
3623 जिल्द संख्या - 3 पृष्ठ संख्या 360 से
365 पुस्तक संख्या - 1 सन 1969 ई. में जिसकी
सहीदरी दुबका निर्वहन कार्यालय में हुई है उसे
द्वारा प्राप्त किया है। उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति
को लेख्यकारी ने उपरोक्त सहीदर आई उपरोक्त
मुआंज के एवं खुद के साथ पारिवारिक
व्ययों से प्राप्त किया है। इस विक्रित
सम्पत्ति पर लेख्यकारी का दरखल - अकाजी
निर्विवाद रूप से है। उपरोक्त सम्पत्ति का
किराया बसोही हो तथा इसे विक्रम करने का
लेख्यकारी को सम्पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

कं जीता हैवी



(4)
 वरिष्ठान में लेखक को सांसारिक
 स्वयं वी- कने- पशिोध खुदरा महाजनों के कर्ज
 के समर्थ- का सख्त दरको है वी- बिना
 बिक्रम उपरोक्त बसाई जमीन के खपत्र का
 मिलना कठिन है, इसलिये लेखक ने अपनी
 उपरोक्त वर्णित संपत्ति को बिक्रम करने का
 सोचरत किया, जिसे आप कत्री महादया ने देखा
 तो ओर 55,000/- (पच्चासी हजार) रुपय में
 उपरोक्त संपत्ति को क्रय करने की इच्छा बिक्रम
 में प्रकट किया। यह मुला आजकल के बाजार
 दर का सही वी- वाजिब मुला समझा जायावो
 उपरोक्त महादय दुलका के द्वारा निर्धारित मुलांकन
 के आधार पर भी यह मुला सही है इसलिये
 लेखक ने आज अपनी खुशी-राजी बिना कोई
 दबाव वी- बहकाव किसी पत्र के अपने
 अनाया शरीर वी- खटखण्ड भक्तिपक भी देवा
 में होकर वी- शर्का तथा कत्री महादया से
 उपरोक्त संपत्ति का समुदाय तथा मुला ओर
 55,000/- (पच्चासी हजार) रुपय में गहन खकुरत
 लेका वी- प्राप्त करे उपरोक्त खाना नये
 पत्र में वर्णित संपत्ति को कत्री के हाथ

25.4.2003
 प्रमाणित

कपीत। हनी

(1)
जो वो है लालामी किया तथा आज की
तारीख से उपरोक्त सम्पत्ति पर क्रेती को
द्विक रूपसे दुल्हा अधिकार करा दिया।

उपरोक्त सम्पत्ति हर तरह के क़ाबज़
से मुक्त है। फिर भी निकट भविष्य में
उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी तरह का प्राचीन
भा- हाल क़ाब-ज़ार पाया जाय जिससे क्रेती
को उपरोक्त सम्पत्ति से भा- इसके किसी उर्षा
से बेदखल होना पड़े, ऐसी हालत में विक्रय
भा- वासिअन काने वापस कुल गरसभा केवाला,
भा- खरचा, हरजाना वो शुद्ध बनिश्च बाजार
के हैं, हजे वो रहेंगे। आज तक उपरोक्त
सम्पत्ति पर विक्रेता को- जो- कुछ खर्च वो
खर्च प्राप्त या खर्च जो- कुछ भविष्य
में प्राप्त होता वो- कुल उर्षा की तारीख
से क्रेती को प्राप्त हो- जय।

उप- चाहिये कि क्रेती महोदय उपरोक्त
सम्पत्ति का सरकारी सिरीस्ते में पचलित नाम
करवाकर खुद का नाम दर्ज करा लेवे वो
साल व साल सिरीस्ते में खजाना देकर
वसूली का रसीद कारवा खरति रूपसे नाम
से हाशिल किया करे वो वासिअन क़मौठ
उपरोक्त सम्पत्ति का मोजा-दखल दान-विक्रय
वो- हस्तांतरा रूपसे इच्छानुसार जो- चाह
करे। इसमें विक्रेता भा- वासिअन को किसी
तरह की उर्षा-उपापत्ति नहीं होगी। अगर
कोई उपापत्ति करे या करे तो वो- कुल
उपापत्ति न्यायालय में उपमान्य वो- वातिल
होगी।

for your use
2022.4.5

जकीता देवी

(6)

यह सब शर्तों का है कि यह विक्रय -
पत्र व-हक प्रीमती खिता देवी प्रति श्री नरेश
कुमार सुभन के तहरीर वी-वाकिल का
दिया जा-समग्र पा काम आवे। इति श्राज
तारीख :- 25/4/2003 ई।

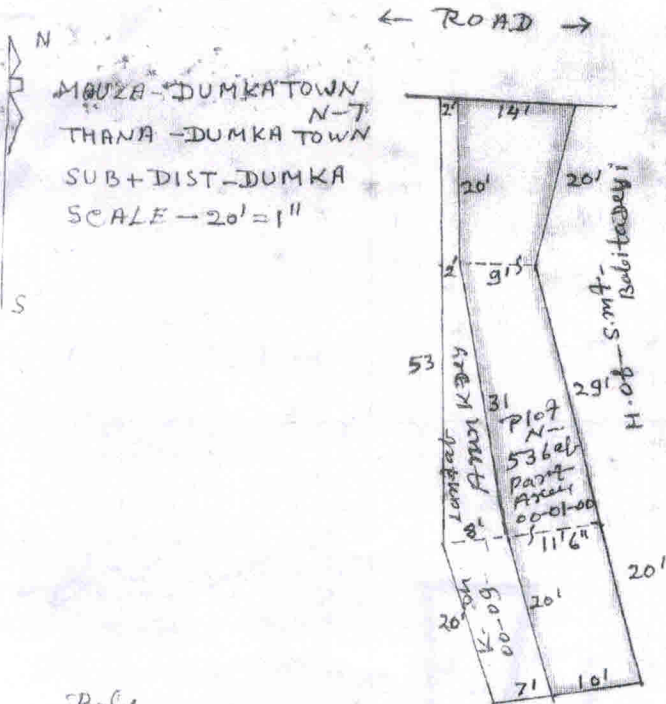
25.4.2003

इस दस्तावेज की मूल प्रति एवं द्वितीयक
प्रति एक-दुसरे की हु-व-हु सच्ची
प्रतिलिपि है।

कातिब दस्तावेज :- सुभेश्वर नाथ सिंह
साकिन दुमका टाउन, मजमून
दस्तावेज पढके लेख्यकारी को
सुना वो-समझा दिया।

सुभेश्वर
25/4/03

खिता देवी



Ref:- Land sold By Sri - Arun Kumar Dey s/o - Late - Shambhu Nath Dey, At - Rasik P.O. P.S. - Dumka Town. Sub + Dist - Dumka. "JHARKHAND"

Land sold MOUZA - DUMKA TOWN. N-7. SUB + DIST - Dumka. W. N-5. H.N - Plot N-536 at Part Area-1 (one)

The original plan Kathas land only. Basori Land is the true and exact copy of the duplicate plan. Binod Mandal Amin

Chorddi - North - ROAD
 South - Saitendra Nath Dey Sen
 E - S.M.T. - Balita Devi
 W - Part Land at Arun K. Dey.

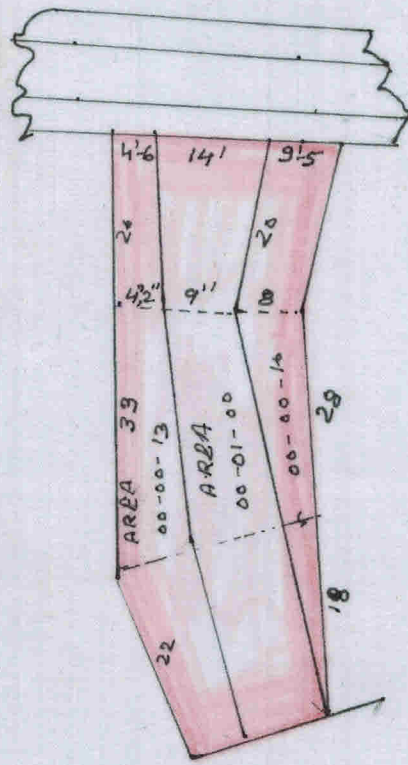
Land Purchased by S.M.T. - Balita Devi w/o Sri - Naresh Kumar Suman. At - Babu Para Dumka. P.S. - Dumka Town. Sub + Dist - Dumka. "JHARKHAND"
 Shown in the map red thus -

T.M. Laha
 25.4.2003

श्रीमती देवी



MOUZA - DUMKA TOWN - No 7
THANA - DUMKA TOWN
SUB + DIST - DUMKA
SCALE 20' = 1''



SOLD LAND - MOUZA DUMKA TOWN No 7 P.S DUMKA TOWN
SUB + DIST - DUMKA BASORI J.B - No 8/39/1, PLOT NO
- 533/2071 PART AREA-00-00-10 (TEN DHURS)

BOUNDRI - No ROAD

S - H of sotendra Nath PUT - 2071

E - 533/2071

W - 536

SOLD LAND SHOWN IN THE MAP RED THUS-



Traced by:-
B. P. Ghosh
M. A. S.